[This question paper contains 2 printed pages.]

Roll Number	**:**	**…….**
Unique Paper Code	**:**	**121302404**
Title of the Paper	**:**	**Survey of Indian Philosophy**
		भारतीय दर्शन का सर्वेक्षण
Name of the Course	**:**	**MA Sanskrit (LOCF) Examination, 2025**
Semester	**:**	**IV**
Duration	**:**	**3 Hours**
Maximum Marks	**:**	**70**

इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाङ्क लिखिए।
(Write Your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

टिप्पणीः अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिन्दी **या** अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में दीजिए।
Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit **or** in Hindi **or** in English.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
Attempt all questions.

1. चार्वाक दर्शन के प्रमाण सम्बन्धी दृष्टिकोण का प्रतिपादन कीजिए। 12
Discuss the epistemology according to Carvak Philosophy.

अथवा/OR

सर्वदर्शनसंग्रह के अनुसार जैन दर्शन के तत्त्वों के स्वरूप की विस्तार से चर्चा कीजिए।
Discuss the nature of Tattvas in Jaina philosophy as outlined in the Sarvadarshanasamgraha in details.

2. बौद्ध दर्शन में प्रतिपादित दुःखसमुदय पर विस्तार से चर्चा कीजिए। 12
Discuss the concept of Dukhasamudaya, as established in Bauddha Darshan.

अथवा/OR

शैव दर्शन के अनुसार पशु के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।
Discuss the nature of Pashu according to Shaiva Philosophy.

3. आस्तिक दर्शनों के अनुसार आत्मा के स्वरूप पर प्रकाश डालिए। 12
Elucidate the nature of Atma according to the Astika Darshanas.

अथवा/OR

भारतीय दर्शन में प्रतिपादित प्रमाण-सिद्धान्त का विवेचन कीजिए।
Discuss the epistemology as propounded in Indian Philosophy.

4. ऐतिहासिक दृष्टिकोण से सांख्य दर्शन के विकास पर प्रकाश डालिए। 12
Discuss how Sankhya Darshan evolved throughout its history.

अथवा/OR

न्याय दर्शन के मूलभूत अवधारणाओं पर प्रकाश डालते हुए उसके ऐतिहासिक विकास को प्रस्तुत कीजिए।
Explain the fundamental philosophical doctrines of Nyaya Philosophy and its historical development.

5. निम्नलिखित में से किन्ही चार विषयों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए, जिनमें से कोई एक टिप्पणी संस्कृत में हो। (5+5+5+7=22)
Write Short notes on any four of the following, of which one should be in Sanskrit:

(i). वाचस्पतिमिश्र
(ii). वैशेषिक के अनुसार ईश्वर
(iii). जैनमत में सर्वज्ञ
(iv). बौद्ध में भावना चतुष्ट्य
(v). पतञ्जलि
(vi). आत्मख्यातिवाद